

7.12.18 (E) ✓

[This question paper contains 7 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : 7012 IC

Unique Paper Code : 62131115

Name of the Course : B.A.(Prog.)

Name of the Paper : Sanskrit A : Sanskrit  
Literature

Semester : I

Time : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates :

छात्रों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Answer may be written either in **Sanskrit** or in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

P.T.O.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

(c) All questions are compulsory.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

### Section - A

#### खण्ड - अ

1. (i) (क) Translate the following : 4+4=8

निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

यौवनं धनसंपत्तिः प्रभुत्वमविवेकिता ।

एकैकमप्यनर्थाय, किमु यत्र चतुष्टयम् ॥

OR

अथवा

अर्थागमो नित्यमरोगिता च प्रिया च भार्या प्रियवादिनी च ।

वश्यश्च पुत्रोऽर्थकरी च विद्या षड्जीवलोकस्य सुखानि राजन् ॥

(ख) अहमेकदा दक्षिणारण्ये चरन्नपश्यम् ।

एको वृद्धव्याघ्रः स्नातः कुशहस्तः सरस्तीरे ब्रूते - भो भोः पान्थाः!

इदं सुवर्णकङ्कणं गृह्यताम् । ततो लोभाकृष्टेन केनचित्पान्थेनालोचितम् - भाग्येनैतत्संभवति ।

किं त्वस्मिन्नात्मसंदेहे प्रवृत्तिर्न विधेया ।

OR

अथवा

असाधना वित्तहीना बुद्धिमन्तः सुहृत्तमाः ।

साधयन्त्याशु कार्याणि काककूर्ममृगाखुवत् ॥

(ii) Explain the following : 6+6=12

निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

(क) कोऽर्थः पुत्रेण जातेन यो न विद्वान् धार्मिकः ।

काणेन चक्षुषा किं वा, चक्षुः पीडैव केवलम् ॥

OR

अथवा

वरमेको गुणी पुत्रो न च मूर्खशतान्यपि।

एकश्चन्द्रस्तमो हन्ति न च तारागणा अपि॥

(ख) नाद्रव्ये निहिता काचित्क्रिया फलवती भवेत्।

न व्यापारशतेनापि शुकवत् पाठयते बकः॥

OR

अथवा

न संशयमनारूढ्य नरो भद्राणि पश्यति।

संशयं पुनरारूढ्य यदि जीवति पश्यति॥

(iii) Introduce any **five** underlined words from question no. 1 by their verbal declensions.

10

प्रश्न संख्या 1 के रेखांकित किन्हीं पाँच क्रियापदों का परिचय दीजिए।

Section - B

खण्ड - ब

2. (क) Translate the following :

5

निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

आपदर्थे धनं रक्षेद् दारान् रक्षेद् धनैरपि।

आत्मानं सततं रक्षेद् दारैरपि धनैरपि॥

OR

अथवा

परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम्।

वर्जयेत् तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम्॥

(ख) Explain any **two** of the following : 6+6=12

निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए :

(i) लोकयात्रा भयं लज्जा दाक्षिण्यं त्यागशीलता।

पञ्च यत्र न विद्यन्ते न कुर्यात् तत्र संस्थितिम्॥

(ii) शैले शैले न माणिक्यं मौक्तिकं न गजे गजे॥

साधवो न हि सर्वत्र चन्दनं न वने वने॥

(iii) दुराचारी च दुरादृष्टिर्दुरावासी च दुर्जनः।

यन्मैत्री क्रियते पुष्पिर्नरः शीघ्रं विनश्यति॥

(iv) आचारः कुलमाख्याति देशमाख्याति भाषणम्।

सम्भ्रमः स्नेहमाख्याति वपुराख्याति भोजनम्॥

(ग) Introduce any **four** underlined words from question no. 2 by their declensions. 8

प्रश्न संख्या 2 के रेखांकित किन्हीं चार पदों का विभक्ति निर्देश कीजिए।

### Section - C

खण्ड - स

3. (i) Discuss the origin and development of prose. 10

एवं विकास का गद्य काव्य के उद्भव एवं विकास का वर्णन करें।

OR

अथवा

Write an essay on the origin and development of Neetikavyas.

एवं विकास पर नीतिकाव्य के उद्भव एवं विकास पर निबन्ध लिखिये।

(ii) Write comment on any **two** of the following : 10

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

(क) सुबन्धु

(ख) चाणक्यनीति

(ग) कथासरित्सागर

(घ) बाणभट्ट